

कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान

मणिपुर के केबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान (Keibul Lamjao National Park- KLNP) के नवासी स्थल के स्थानांतरण का वरिध कर रहे हैं।

- लोगों का तर्क है कि प्रस्तावित स्थल का लुप्तप्राय हरिणों को बचाने के पर्यासों से कोई संबंध नहीं है। वहीं दूसरी ओर आस-पास के गाँवों के लोग हरिण को बचाने हेतु हर संभव पर्यास कर रहे हैं।

केबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य:

- यह दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान है, लोकटक झील पर स्थित केबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान मणिपुर के नृत्य करने वाले हरिण 'सांगई' (Rucervus eldii eldii) का अंतिम प्राकृतिक आवास है
 - 1950 के दशक में, यह माना जाता था कि 'सांगई' हरिण देश में विलुप्त हो गए थे। हालाँकि बाद में इसे मणिपुर में फरि से खोजा गया।
- हॉग डयिर, ओटर, वाटर फॉउल और [प्रवासी पक्षियों](#) का एक समूह यहाँ पाया जाता है।

लोकटक झील:

MAP OF IANIPUR

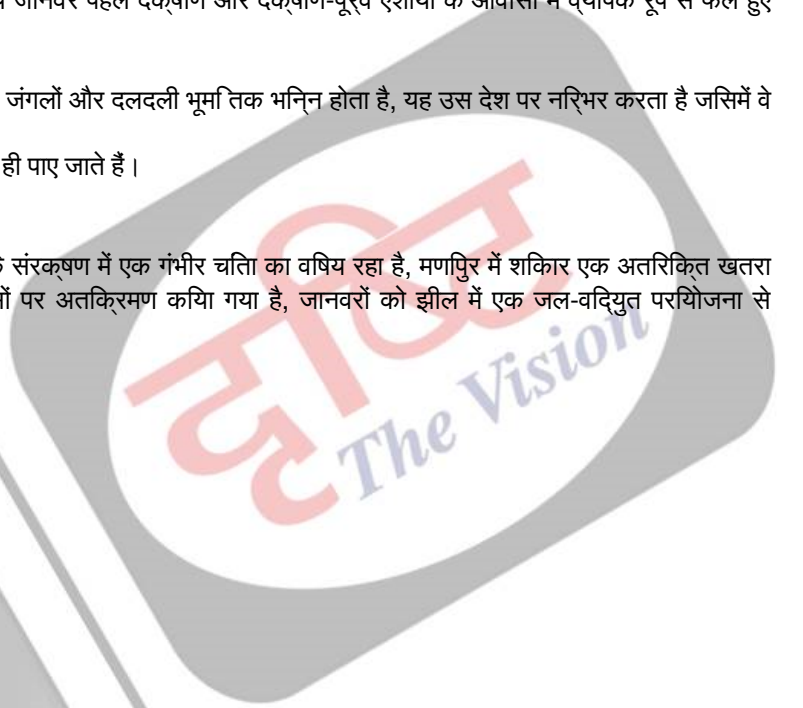
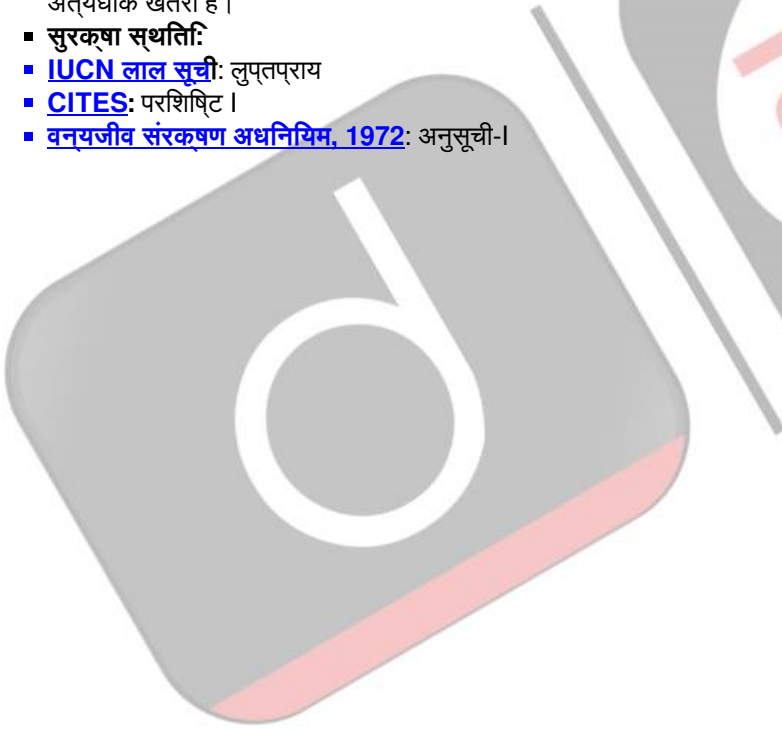


- लोकटक झील पूर्वोत्तर भारत की सबसे बड़ी मीठे जल की झील है और जो जल की सतह के ऊपर तैरती फुमडी के लिये प्रसिद्ध है।

- फुमडी अपघटन के वभिन्न चरणों में वनस्पति, मट्टी और कार्बनिक पदार्थों का वषिम दरव्यमान है।
- यह प्राचीन झील मणपुरि की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभाती है। यह सचाई, पेयजल आपूर्ति और जल वदियुत उत्पादन के लिये जल के स्रोत के रूप में कार्य करता है।
- पारस्थितिक स्थिति और इसके जैव वविधिता मूल्यों को ध्यान में रखते हुए, लोकटक झील को शुरु में 1990 में रामसर अभिसमय के तहत अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमि के रूप में नामित किया गया था
 - बाद में इसे वर्ष 1993 में **मॉन्ट्रेकस रकिॉर्ड** के तहत भी सूचीबद्ध किया गया था।
- मानव गतिविधियों ने झील के पारस्थितिकी तंत्र पर गंभीर दबाव डाला है।

एंटरड हरिण:

- **सामान्य नाम:** संगई, भौह सींग वाले हरिण, डांसगि डयिर
- **वैज्ञानिक नाम:** रुसेरवास एल्डी (*Rucervus eldii*)
- **परचिय:**
- भौह सींग वाला हरिण, या संगई, मणपुरि का राज्य पशु है।
- सर्दियों के महीनों में जानवर का आवरण गहरे लाल भूरे रंग का होता है और गर्मियों में यह बहुत हल्का हो जाता है।
- कंबोडिया, चीन, भारत, लाओस और म्यांमार के मूल नवासी, ये जानवर पहले दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के आवासों में व्यापक रूप से फैले हुए थे।
- **आवास:**
- हरिण का नवास स्थान झाड़ी और घास के मैदान से लेकर सूखे जंगलों और दलदली भूमितिक भनिन होता है, यह उस देश पर नरिभर करता है जिसमें वे पाए जाते हैं।
- भारत में ये जानवर केवल मणपुरि की प्रसदिध लोकटक झील में ही पाए जाते हैं।
- भौह-एंटरड हरिण आमतौर पर घास का उपभोग करता है।
- **खतरा:**
- जबकविश्व स्तर पर नवास स्थान का नुकसान इस हरिण के संरक्षण में एक गंभीर चता का वषिय रहा है, मणपुरि में शकिार एक अतरिकित खतरा है। जबका चरागाह, खेती और मछली पालन के लिये आवासों पर अतकिरण किया गया है, जानवरों को झील में एक जल-वदियुत परियोजना से अत्यधिक खतरा है।
- **सुरक्षा स्थिति:**
- **IUCN लाल सूची:** लुप्तप्राय
- **CITES:** परशिषिट।
- **वनयजीव संरक्षण अधनियिम, 1972:** अनुसूची-I।





स्रोत- द हट्टि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/keibul-lamjao-national-park>